पहले भी आपसे व्यक्तिगत रूप से निवेदन किया था, डिपार्टमेंट से यह कहा जाए कि हमारे पूरे पैसे release हों। मैंने 5 करोड़ रुपए के काम already लिख दिए हैं, लेकिन अभी तक 2019-20 का एक भी पैसा हमारे यहाँ नहीं आया है। मेरी आपसे request है और demand है कि इस जनवरी महीने के अन्दर 5 करोड़ रुपए की पूरी installment release की जाए, जिससे हमने जो काम suggest किए हैं, वे पूरे हो सकें। इससे at least हमारे against न्यूजपेपर में छपने से जो negative छवि बनती है, हम उससे बच सकें। मेरी आपसे विनती है कि इसके लिए आपका डिपार्टमेंट गुजरात सरकार के अधिकारियों से काम ले। धन्यवाद।

SHRI K. SOMAPRASAD (KERALA): Sir, I would like to associate myself with the Zero Hour mention made by the hon. Member.

SHRI JOSE K. MANI: Sir, I would also like to associate myself with the Zero Hour mention made by the hon. Member.

SHRIMATI WANSUK SYIEM (Meghalaya): Sir, I would also like to associate myself with the Zero Hour mention made by the hon. Member.

कुमारी शैलजा (हरियाणा): महोदय, मैं भी स्वयं को माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय के साथ सम्बद्ध करती हूँ।

श्री पी.एल. पुनिया: महोदय, मैं भी स्वयं को माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय के साथ सम्बद्ध करता हूँ।

श्री राजमणि पटेल: महोदय, मैं भी स्वयं को माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय के साथ सम्बद्ध करता हूँ।

श्री प्रदीप टम्टा (उत्तराखंड): महोदय, मैं भी स्वयं को माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय के साथ सम्बद्ध करता हूँ।

मीर मोहम्मद फ़ैयाज (जम्मू-कश्मीर): महोदय, मैं भी स्वयं को माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय के साथ सम्बद्ध करता हूँ।

†**جناب محمد فیاض (جمووکشمیر):** مہودے، میں بھی خود کو مانیئے سدسیئے کے ذریعے اٹھائے گئے موضوع کے ساتھ سمبدّ کرتا ہوں۔

Need for double-lining and change in timings of the Lichchavi Express

श्री सकलदीप राजभर (उत्तर प्रदेश): उपसभापति महोदय, आपने मुझे अति लोक महत्व के

†Transliteration in Urdu script.

विषय पर बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपका बहुत-बहुत आभार व्यक्त करता हूँ।

महोदय, बलिया, देवरिया, मऊ व गाजीपुर पिछड़े जनपद हैं। इन जनपदों में भटनी, सलेमपुर, लार रोड, बिल्थरा रोड, किडहरापुर, मऊ, जखनियां व औड़िहार रेलवे स्टेशंस पड़ते हैं। भटनी से वाराणसी के रूट पर चलने वाली कुछ गाड़ियों, जैसे दुर्ग एक्सप्रेस, शालीमार एक्सप्रेस, बापूधाम एक्सप्रेस व पुणे एक्सप्रेस जनपद बलिया के सबसे अधिक राजस्व देने वाले रेलवे स्टेशन, बिल्थरा रोड पर इन गाड़ियों का ठहराव नहीं है। इस विषय में मैंने इसके लिए पहले वाली सरकार में भी कई बार माननीय मंत्री जी से व्यक्तिगत रूप से मिल कर व पत्र द्वारा निवेदन किया था, लेकिन उन्होंने मेरे निवेदन को अस्वीकार कर दिया। मैं यहाँ बताना उचित समझता हूँ कि बिल्थरा रोड रेलवे स्टेशन से रेल की सुविधा हेतु जनपद बलिया के अन्तर्गत आने वाली तहसील सिकन्दरपुर, बॉसडीह और रसड़ा तथा मऊ जनपद के अन्तर्गत आने वाले तहसील मधुबन, घोसी तथा दोहरीघाट तक के यात्री आते हैं। इन्हीं कारणों के चलते बिल्थरा रोड रेलवे स्टेशन, जनपद बलिया का रेल राजस्व में पहला स्थान है। मैं यह भी बताना चाहता हूँ कि बिल्थरा रोड रेलवे स्टेशन का भवन बहुत ही जर्जर अवस्था में पहुँच चुका है। बारिश के समय इसकी समस्त छतों से पानी टपकता है। इस स्थान पर हम सांसदों और जन प्रतिनिधियों के लिए प्रतीक्षालय उपलब्ध नहीं है।

इसी कड़ी में मैं एक बहुत पुरानी चली आ रही माँग, लिच्छवी एक्सप्रेस, जो सीतामढ़ी-मुजफ्फरपुर, बिहार से चल कर दिल्ली को जाती है, इसमें एक आधा कोच प्रथम ए.सी. व आधा कोच द्वितीय ए.सी. का लगाने के लिए आपके माध्यम से माननीय रेल मंत्री जी का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूँ। पूर्व में इस गाड़ी में ए.सी. प्रथम कोच लगा हुआ था, लेकिन बाद में इस कोच को हटा दिया गया। इस स्टेशन पर चलने वाले सांसदों में मैं स्वयं हूं, साथ ही श्री रविन्द्र कुशवाहा, सलेमपुर लोक सभा, श्री अतुल कुमार सिंह, घोसी लोक सभा, श्रीमती संगीता आजाद, लालगंज लोक सभा, श्री अफजाल अंसारी, गाजीपुर लोक सभा, श्री राजाराम, राज्य सभा सांसद, श्री नीरज शेखर जी, राज्य सभा सांसद हैं और श्रीमान् आप स्वयं भी उसी ज़िले से हैं। इस स्टेशन से दिल्ली के लिए जाने वाली एक मात्र गाड़ी, लिच्छवी एक्सप्रेस है, लेकिन उसमें प्रथम एसी न होने से, सुरक्षा के दृष्टिकोण से सभी सांसद 150 किलोमीटर की दूरी तय करके वाराणसी या उतनी ही दूरी तय करके गोरखपुर से ट्रेन की सेवा लेते हैं। इससे समय की बरबादी के साथ-साथ धन का भी व्यापक पैमाने पर नुकसान होता है। भटनी से औड़िहार तक सिंगल लाइन होने के कारण गाड़ियों की क्रॉसिंग में बहुत अधिक समय लगता है, जिससे गाड़ियां प्राय: लेट हो जाती हैं। ...(**समय की घंटी**)...

श्री उपसभापति: सकलदीप जी, आपका समय समाप्त हो गया है, अब आपकी बात रिकॉर्ड पर नहीं जा रही है। इन्हें जो भी एसोसिएट कर रहे हैं, कृपया वे अपने नाम भेज दें। ...(**व्यवधान**)... अब आपकी कोई बात रिकॉर्ड पर नहीं जा रही है, आपका समय खत्म हो गया है।

श्री नीरज शेखर (उत्तर प्रदेश): सर, मैं माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

Alleged derogatory reference to Mahatma Gandhi in class Tenth English text book in Madhya Pradesh

श्री संजय सिंह (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली): मान्यवर, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के बारे में मध्य प्रदेश में, एक किताब में अपमानजनक शब्दों का प्रयोग हुआ है, मैं आज उसी विषय को लेकर खड़ा हुआ हूं।

मान्यवर, तीन दिन पहले मुझे एक समाजवादी चिंतक, आदरणीय रघु ठाकुर जी का पत्र मिला। उन्होंने बताया कि मध्य प्रदेश के अंदर हाई स्कूल में अंग्रेज़ी की एक किताब में पूछा गया, सुबुद्धि और कुबुद्धि की विशेषताएं बताएं? सुबद्धि की विशेषता में कुछ-कुछ लिखा गया है, लेकिन कुबुद्धि की विशेषताओं में जो लिखा गया है, उसमें कहा गया - 'एक ऐसा व्यक्ति, जो शराब पीने वाला है, एक ऐसा व्यक्ति, जो मंद बुद्धि का है, एक ऐसा व्यक्ति, जो दुष्ट प्रवृत्ति का है 'और इसमें उसकी तुलना राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी से की गई है। ...**(व्यवधान)**... यह किताब पूरे मध्य प्रदेश के अंदर बांटी गई है। बहुत अफसोस और पीड़ा के साथ मैं आपके सामने यह बात कह रहा हूं। आज जब पूरी दुनिया राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का लोहा मान रही है, जब हमारे देश की सरकार उनकी 150वीं जयन्ती पर, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के विचारों को लेकर पूरे वर्ष भर, देश भर में आयोजन कर रही है, ऐसे समय में कभी इज़राइल की एक कंपनी शराब की बोतल पर गांधी जी का फोटो छाप देती है, कभी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के हत्यारों को महिमामंडित किया जाता है या फिर किताबों में, पाठ्यक्रमों में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के बारे में भ्रामक प्रचार किया जाता है। यह हम सबके लिए बहुत शर्मनाक बात है और बहुत चिंता का विषय है। ऐसे मामलों में सख्त से सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। जो भी लोग इसके लिए दोषी हैं, उनकी जांच करके, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई हो।

मान्यवर, मैं आपके माध्यम से सरकार से यह निवेदन करना चाहता हूं कि इस विषय का पता लगाया जाए और पूरी जांच कराई जाए। ...**(व्यवधान)**... दूसरा, मैं आपके माध्यम से यह अनुरोध भी करूंगा कि आज गांधी जी के विचारों को पूरे देशभर में फैलाने की जरूरत है। गांधी जी कहते थे, 'अगर एक आंख के बदले दूसरी आंख फोड़ने की होड़ में लग जाओगे, तो पूरी दुनिया अंधी हो जाएगी।' गांधी जी कहते थे, 'प्रकृति के पास सबको देने के लिए सबकुछ है, पर्याप्त है, लेकिन एक व्यक्ति के लालच को पूरा करने के लिए कुछ भी नहीं है।' गांधी जी के ऐसे विचारों को देश भर में फैलाने के लिए हमें अभियान चलाना चाहिए और उनके अपमान को रोकना चाहिए।

प्रो. राम गोपाल यादव (उत्तर प्रदेश): सर, मैं माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।